पाठ 17. शमादान

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में समस्या के समाधान की क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता विकसित कर सकें। सामने वाला अपराधी हो और तुम उसके साथ नेकी करो तो हो सकता है तुम्हारी नेकी का अच्छा असर हो। यह कहानी इसी भावभूमि पर टिकी है।

पाठ का सार

बूढ़े हो चुके पादरी माइरिल की मनुष्यता और करुणा उनकी उम्र के साथ-साथ पूरी तरह खिल चुकी थी। एक दिन जेल से छूटा एक अपराधी उनके घर में शरण माँगने आया। उन्होंने उसका आतिथ्य अच्छी तरह किया।

जीन वेलज़ीन ने जब कमरे में चाँदी के बहुत सारे बर्तन माइरिल की अलमारी में देखे तो उसके भीतर का चोर जाग उठा। उसने वे सारे कीमती बर्तन थैले में भरे और खिसक गया। चोर को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस चोर को पकड़कर पादरी के पास लाई क्योंकि जो बर्तन चोर लेकर गया था वे राजा द्वारा पादरी को उपहार में दिए गए थे। उन्हें पहचान लिया गया। लेकिन पादरी ने पुलिस से कहा कि यह सब उन्होंने स्वयं वेलज़ीन को दिए हैं। उन्होंने वह शमादान भी जीन को दे दिया जो जीन भूलवश नहीं ले गया था और कहा कि यह सब बेचकर वह कोई नेक काम शुरू करे।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  शमादान के प्रकाश से भरी इस कहानी को संक्षेप में बच्चों को बताकर इसका वाचन, मौन-मुखर कराएँ। नए शब्दों के अर्थ दें और करुण प्रसंगों व अन्य महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या करते हुए बच्चों को नैतिक मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा दें। पादरी के व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की चर्चा विशेष रूप से करें।

  कहानी को नाटक में भी बदलकर कक्षा में इसका वाचिक व आंगिक अभिनय कराया जा सकता है।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 93** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - विशेषण शब्दों से बच्चे परिचित हैं ही। वाक्य में उनकी पहचान कराते समय इस ओर इशारा करें कि वे संज्ञा की विशेषता बता रहे हों। चाहे वाक्य में उनका स्थान कहीं भी हो।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - वाक्य में शब्दों के बहुवचन रूप कभी-कभी बदलते जाते हैं तो कभी-कभी प्रयोग से ही उनके रूप का पता चलता है। इस बारे में उदाहरण देकर समझाएँ।